ISSN : 2277-7016

पंचमानुसंधान

अभिनिर्देशित शोध-पत्रिका

PAṄCAMĀNUSAṀDHĀNA

A Quarterly Research Journal of Humanities & Social Science

Vol. III No. IV October - December 2014

Prof. Vijayshree commemoration Volume

R. S. Shodha Sansthan, Varanasi

- आत्मकर्तृत्ववाद एवं ईश्वर की अवधारणा
  डॉ. हसमुखभारती एम. गोस्वामी — ७७-८६
- जयप्रकाश नारायण और समाजवाद
  प्रो. संजय कुमार — ८७-९०
- आभासवाद : एक विवेचना
  डॉ. सोमानन्द राय — ९१-९७
- जैन धर्म-दर्शन में कर्म बंध के कारण
  डॉ. मुरलीधर प्रसाद सिंह — ९८-१०४
- भारत की भौतिक उन्नति में सांख्य-योग का तत्त्वत्रय
  रेखा कुमारी — १०५-११४
- पारम्परिक लोक माध्यम
  राजीव रंजन कश्यप — ११५-१२३
- कर्म-भावना एवं नैतिकता
  डॉ. उमेश प्रसाद सिंह — १२४-१२७
- गांधीवादी चिन्तन में उत्तर आधुनिकता एवं पराआधुनिकता
  डॉ. ममता उपाध्याय — १२८-१३५
- महात्मा गांधी के आर्थिक विचार
  विनय कुमार सिंह — १३६-१४२
- शतपथ-ब्राह्मण में अग्न्याधान का स्वरूप
  अजय कुमार यादव — १४३-१४६
- राज्यपाल की भूमिका : विवाद, कारण एवं निदान
  डॉ. नवलकिशोर मिश्रा — १४७-१५४

विषयानुक्रमणिका

पृष्ठ सं.

खण्ड-I

- The World-view: Mahatma Gandhi and Albert Schweitzer
  Professor Vijayashree — १-५
- Philosophizing and Religious Forms of Life
  Professor Vijayashree — ६-१४
- सांस्कृतिक बोध एवं भाषा-विश्लेषण
  प्रो, विजयश्री — १५-२१
- धार्मिक प्राक्कथनों का भाषा-विश्लेषण
  प्रो. विजयश्री — २२-२६
- सृजनात्मक सांस्कृतिक स्वराज्य
  प्रो. विजयश्री — २७-३२
- स्वदेशी एवं वैचारिक प्रगति
  प्रो. विजयश्री — ३३-४१
- सर्जनात्मक स्वराज्य : एक दार्शनिक विश्लेषण
  प्रो. विजयश्री — ४२-४८
- समान नागरिक संहिता : एक दार्शनिक विश्लेषण
  प्रो. विजयश्री — ४९-६०
- सृजनात्मक प्रकृतिवाद
  प्रो. विजयश्री — ६१-६७